MPPSC MAIN EXAM 2013
GENERAL HINDI
(Compulsory paper)

1 निम्नलिखित मुहावरों/लेकोक्तियों का अर्थ स्पष्ट करते हुए वाक्यों में प्रयोग कीजिए। (कोई चार)

1. कसौटी पर कसना।
2. फूलना–फलना।
3. गगन के तारे तोड़ना।
4. जंगल में मंगल।
5. ईद का चांद होना।

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं चार के पर्यायवाची लिखिए।

1. सूर्य
2. चन्द्रमा
3. भूमि
4. आकाश
5. जल
6. माता

उत्तर . मुहावरें–

1. कसौटी पर कसना – खरा उतरना।
प्रयोग– सोने को सुनार कसौटी पर कसते है ।
2. फूलना–फलना – खुश रहना।
प्रयोग– रमेश का परिवार खूब फूल फल रहा है ।
3. गगन के तारे तोड़ना – कठिन कार्य को करना।
प्रयोग– सोनू ने हाई स्कूल में मेरिट स्थान पाकर तारे तोड़ने का कर्य किया है ।
4. जंगल में मंगल – हर जगह खुश रहना।
प्रयोग– श्याम तो कहीं भी जाकर जंगल में मंगल मना लेता है ।
5. ईद का चांद होना – बहुत दिनों बाद मिलना।
प्रयोग– अभिषेक ने मोहन से कहा यार तुम तो ईद के चांद हो गए हो।

उपरोक्तानु सार 4 बिन्दुओं एवं कोई अन्य बिन्दुओं पर भी विस्तार

www.kushmanda.com

से दिये जाने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक कु ल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

पर्या यवाची शब्द –

1. सूर्य – दिनकर, भास्कर, दिवाकर, रवि।
2. चन्द्रमा – चन्द्र , चांद, मयंक, शशि।
3. भूमि – वसु न्धरा, भू, धरा, पृथ्वी।
4. आकाश – गगन, अंबर, अंतरिक्ष।
5. जल – पानी, नीर, वारि, सलिल।
6. माता – मां, जननी, जन्मदात्री।

2. (अ) निम्नलिखित पदों का विग्रह कर समास का नाम लिखिए।

(1) पीताम्बर
(2) राष्ट्रपति
(3) दसमुख
(4) माता–पिता

(ब) निम्नलिखित शब्दों का शुद्ध रूप लिखिए। (कोई दो)

कवी, सृष्टी, कल्यान, सौंदर्यता।

***उत्तर** . (अ) समास विग्रह –*

1. पीत–अम्बर
पीताम्बर – बहुब्रीहि समास।
2. राष्ट्र +पति
राष्ट्रपति – तत्पुरुष समास।
3. दस+मुख
दसमुख वाला रावण – बहुब्रीहि समास।
4. माता+पिता
माता और पिता – द्वन्द समास

(ब) शुद्ध रूप –

1. कवि।
2. सृष्टि।
3. कल्याण।
4. सौंदर्य ।

www.kushmanda.com

अथवा

(अ) निम्नलिखित वाक्यों के लिए एक शब्द लिखिए।

(1) जिसका कोई शत्रु न हो।

(2) जिस पर विश्वास न किया जा सके।

(ब) निम्न वाक्यों को शुद्ध कर लिखिए।

(1) दशरथ को चार पुत्र थे ।

(2) मैंने सुंदर साड़ी पहना।

एक वाक्य –

1. अजातशत्रु ।

2. अविश्वसनीय।

(ब) शुद्ध वाक्य–

1. दशरथ के चार पुत्र थे ।

2. मै ंने सु ंदर साड़ी पहनी।

3. (अ) निम्न पदों में पहचानकर विग्रह करके समास का नाम लिखिए।

(1) प्रतिदिन

(2) पंचवटी

(ब) तत्सम शब्द और तद्भव शब्द की परिभाषा लिखिए।

उत्तर . (अ) समास विग्रह–

1. प्रति+दिन प्रतिदिन – अव्ययीभाव समास।

2. पंच+वटी त्र पंचवटी – द्विगु समास।

(ब) तत्सम शब्द – वे शब्द जो संस्कृ त भाषा से हिन्दी में आकार ज्यो के त्यों उपयोग होते है ।

तद्भव शब्द – वे शब्द जो परिवर्तन के बाद उपयोग में आ रहे है ।

4. गद्य की विधाओं के नाम लिखिए और काई दो गद्य की विधाओं का सामान्य परिचय दीजिए।

उत्तर . गद्य की विधाएं –

निबंध, कहानी, उपन्यास, डायरी, पत्र–लेखन, एकां की, नाटक, माया–वृत्त आदि।

निबंध–

निबंध– किसी भी विषय पर स्वछन्द रूप से क्रमबद्ध रूप से पूर्ण रूप में वर्णन निबंध होता है ।

www.kushmanda.com

एकांकी – एक घटना या एक पक्ष का सारगर्भि त वर्ण न।

5. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
यह सच है कि विज्ञान ने मानव के लिए भौतिक सुख का द्वार खोल दिया है , किंतु यह भी उतना ही सच है कि उसने मनुष्य की मनुष्यता छीन ली है । भौ तिक सुखों के लोभ में मनुष्य यंत्र की भांति क्रियारत है , उसकी मानवीय भावनाओं का लोप हो रहा है औ र वह स्पर्धा के नाम पर ई र्ष्या और द्वेष से ग्रसित होकर स्वप्नों का ही गला काट रहा है , इसी का परिणाम है अशांति। मनु ष्यता को दांव पर हारकर भौ तिक सुख का बढ़ना अशुभ है ।
. उपर्युक्त गद्य खण्ड का शीर्ष क लिखिए।
. उपर्युक्त गद्य खण्ड का स्वयश लगभग 25 शब्दों में लिखिए।

6. अपनी वार्षि क परीक्षा की तैयारी के विषय में जानकारी देते हुए पिताजी को पत्र लिखिए।
अथवा
विद्यालय छोड़ने का प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु अपने विद्यालय के प्राचार्य को आवेदन पत्र लिखिए।

उत्तर . पत्र

पूज्यनीय पिता जी,
सादर चरणस्पर्श
दिनांक 21.08.2013

मै ं यहां कुशलापूर्वक हूॅ। आप भी परिवार के साथ सकुशल होंगे । मेरी पढ़ाई ठीक चल रही है । मै ं वार्षिक परीक्षा की तैयारी पूरी मेहनत लगन से कर रहा हॅू। मै ं इस बार प्रावीण्य सूची में अवश्य ही आऊंगा।
आदरणीय माताजी को चरण स्पर्श प्रिय गोलू और रोजी को प्यार स्नेह।

आपका आज्ञाकारी पुत्र
प्रवीण मुखर्जी

अथवा

सेवा में,
प्र ाचार्य महोदय,

चौ इथराम फाउण्टेन हा.से. स्कू ल,
श्रीराम तलावली धार रो इ, इन्दौ र

विषय :– शाला त्याग प्रमाण पत्र प्रदान किए जाने के संबंध में ।
मान्यवर,
विनम्र निवेदन है कि मेरे पिता जी का स्थानांतरण भोपाल हो गया है । इसलिए मै ं अब इन्दौर के स्थान पर भोपाल में अध्ययन करूंगा।
अतः निवेदन है कि मुझे शाला त्याग प्रमाण पत्र प्रदान करने का कष्ट करें ।

आपकी आज्ञाकारी शिष्य
मुकेश यादव

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 से 300 शब्दों में निबंध लिखिए।
1. किसी त्यौहार का वर्णन।
2. विज्ञान के बढ़ते कदम।
3. दहेज प्रथा।
4. किसी पर्यटन स्थल का वर्णन।
5. खेलों का महत्व।

निबंध लेखन

दहेज प्रथा

1. प्र स्तावना।
2. दहेज का अर्थ ।
3. दहेज की परम्परा।
4. दहेज प्रथा के कारण।
5. दहेज उन्मूलन मे ं यु वाओं की भूमिका।
6. दहेज की व्यथा कथा।
7. उपसंहार।

प्रस्तावनाः–
आज दहेज की समस्या इतनी विकराल बन चुकी है जिसके कारण महिलाओं का जीवन नाटकीय रूप ले चुका है । दहेज प्रथा भारतीय समाज का एक अभिशाप जै सा है । आज मनोकूल दहेज न मिलने के कारण नव वधुओं को प्रताड़ित किया जाता है । साथ ही उन्हें मृत्यु द्वार तक पहुंचाने में भी सं कोच नहीं किया जाता।

दहेज का अर्थ :– दहेज का एक सकारात्मक स्वरूप था। प्राचीन काल में भी यह प्रथा थी किन्तु उस समय यह प्र था एक अभिशाप न थी। माता–पिता स्नेह वश दाम्पत्य जीवन के लिए आवश्यक सामग्री धन, वस्त्र, आभूषण आदि

स्वेच्छानु सार देते थे । यह दहेज किसी दबाव की भावना से नहीं दिया जाता था।

दहेज की परम्परा :– आज भी यह परम्परा निरं तर चली आ रही है । पै से वाले बढ़चढ़कर दहेज देते है । वे विवाह के अवसर पर अपना वैभवपूर्ण प्रदर्शन करने के लिए अधिक से अधिक दहे ज देते है । आज दहेज का स्वरूप बदल चु का है इसे वर मू ल्य कहा जाए तो अतिश्योक्ति नहीं होगी।

दहेज प्रथा के कारण :– दहेज के पीछे एक कारण है । सामाजिक व्यवस्था औ र आड़म्बर प्र दर्शन। जिनके पास अधिक धन है वे दहेज को निरंतर बढ़ावा दे रहेहै । इसे आज समाज की एक बड़ी कुरीति माना जा सकता है ।
–
दहेज उन्मूलन में युवाओं की भूमिका – दहेज उन्मूलन में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है । आज जब बराबरी से स्त्री पु रूष दोनों ही उच्च शिक्षा व ज्ञान प्राप्त करके उच्च पदों पर आसीन है । उन्हें किसी बात की कमी नहीं है । ऐसे में उन्हें चाहिए कि वे दहेज प्रथा का प्रबल विरोध करें और अपने अभिभावकों को दहेज लेने व देने दोनों से ही रोके । वे माता–पिता को हर प्रकार से समझाये ।

दहेज की व्यथा–कथा :– आज कम दहे ज के चक्कर मे ं रोजाना की मारपीट स्त्रियों के साथ होती है । सास, ससु र, ननद, देवरानी और जिठानी जै से गरिमामयी रिश्ते अपनी मर्यादा भूलकर अपनी घर की लक्ष्मी यानि वधू को जिन्दा जला देते है ं। कभी–कभी दहेज के कारण सै ं कड़ों लाखों नवयु वतियां अविविाहित रह जाती है । कभी–कभी कुंठा एवं घुटने समाज के कारण युवतियां आत्म हत्या तक कर ले ती है ।

उपसंहारः– हमें दहेज के विरोध में पूरे जोश और उत्साह से जुट जाना चाहिए। समाज सु धारकों, शिक्षाशास्त्रों, कवियों, उपन्यासकारों तथा फिल्म निर्माताओं को भी दहेज प्र था के विरोध के लिए अपने–अपने स्तर पर प्रयास करना चाहिए।
प्रस्तुतिकरण 12 अंक, विषयवस्तु 24 अंक,
भाषाशैली 12 अंक, उपसंहार 12 अंक।

उपरोक्तानु सार लिखने पर पूर्ण 60 अंक प्राप्त होंगे